an>

Title: Need to observe 19th February, the birth day of Shivaji Maharaj as 'Rashtra Bhakti Prerna Diwas'.

श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) : हिन्दवी स्वराज्य निर्माता विश्वसंघ और सभी भारतीयों के प्रेरणास्रोत, अखंड देशभक्ति का जीता-जागता उदाहरण और सामान्यजनों को ऊंचा स्थान देने वाले आदर्श राजा शिव छत्रपति याने श्री शिवाजी महाराज की जन्म तिथि 19 फरवरी को पूरे देश-विदेश में 'शिव जयंती' के रूप में बहुत धूमधाम से श्रद्धापूर्वक मनाई जाती है।

आज अपने देश के अलावा विश्व के अन्य कई देशों में छत्रपति शिवाजी महाराज की युद्ध नीति एवं आम जनता के प्रति उनके व्यवहार को आदर्श के रूप में देखा जाता है। छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा माता-बहनों का उचित सम्मान, दूसरों के प्रति आदर एवं सद्भावना और बुरा रास्ता अपनाने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देने जैसा गुण सराहनीय ही नहीं बल्कि आदर्शवत है।

अत: सदन के माध्यम से मेरा माननीय प्रधान मंत्री एवं गृह मंत्री से अनुरोध है कि राष्ट्रभक्ति, जनता के प्रति समर्पण, आदर्श युद्ध नीति आदि गुणों को अगली आने वाली पीढ़ी की ओर पहुंचाने हेतु "19 फरवरी' को पूरे भारत भर में राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्र भक्ति प्रेरणा दिवस' घोषित कर उत्साहपूर्वक मनाया जाए।

15.00 hrs

HON. DEPUTY-SPEAKER: Generally, when we are calling out the names of hon. Members to raise their matters, the Members concerned must be present in the House. Then only, they can participate in the discussion or raise matters under Rule 377. After calling out their names, if they are not present, they lose their chance. It is very difficult to call out their names once again and allow them to speak.. It is not the practice to call out the names once again.

I would, therefore, request the hon. Members to strictly follow the practice and be present when their names are being called out. Otherwise, we will not call out their names again to raise their matters. This is the general information, I want to pass it on to you.

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): You are very right, Sir.

HON. DEPUTY-SPEAKER: Now, as an exception, because of the requests received, I am giving chance to the hon. Members, who were not present when their names were called out, to raise their matters under rule 377. It should not be repeated next time.